

B.A. 5th Semester (Honours) Examination, 2019 (CBCS)

Subject : Sanskrit

Paper : DSE-I

Time: 3 Hours

Full Marks: 60

The figures in the margin indicate full marks.

*Candidates are required to give their answer in their own words
as far as practicable.*

प्रश्नपत्रेऽस्मिन् **Group-A and Group-B** इति विभागद्वयं वर्तते। प्रथमतः परीक्षार्थिभिः सावधानतया स्वपठित एको विभागो निश्चेतव्यः। ततश्च यथा निर्देशं प्रश्नाः समाधात्तव्याः।

এই প্রশ্নপত্রে **Group-A** এবং **Group-B** এই দুটি বিভাগ বর্তমান। পরীক্ষার্থীরা উল্লিখিত দুটি বিভাগের মধ্যে তাদের পঠিত একটি বিভাগ থেকে প্রশ্নগুলির উত্তর দেবে।

Group-A

1. अधोलिखितेषु प्रश्नेषु दशप्रश्नाः संस्कृतभाषया अवश्यमेव देवनागरी लिप्या च समाधेयाः 2×10=20
- निम्नलिखित प्रश्नগুলির মধ্যে দশটি প্রশ্ন সংস্কৃত ভাষা ও অবশ্যই দেবনাগরী লিপিতে উত্তর দাও :
- (a) साहित्यदर्पणमनुसृत्य नान्द्याःसंज्ञा लिख्यताम्।
साहित्यदर्पण अनुसारे नान्दीर संज्ञाटि लेखो।
- (b) साहित्यदर्पणे कियन्तः परिच्छेदाः सन्ति। पाठ्याध्यायस्य नाम किम्?
साहित्यदर्पणे कतगुलि परिच्छेद आहे? पाठ्य अध्यायटिर नाम की?
- (c) अर्थप्रकृतिः का भवति? सा कतिविधाः काः च ताः?
अर्थप्रकृति की? सेटि कयप्रकार ओ की की?
- (d) का नाम अवस्था? अवस्थाया संख्या का? नामानि उल्लिख्यन्ताम्।
अवस्था कके बले? ता कय प्रकार? प्रकारगुलिर नाम की?
- (e) 'साहित्यदर्पणः'- शब्दस्य कोऽर्थः?
'साहित्यदर्पण' शब्देर अर्थ की?

(f) 'पताकानायकस्य स्यान्न स्वकीयं फलान्तरम्'— व्याख्या कार्या।

'पताकानायकस्य स्यान्न स्वकीयं फलान्तरम्'— व्याख्या करो।

(g) दृश्यकाव्यं किमर्थं रूपकमित्युच्यते?

दृश्यकाव्यके रूपक बना হয় কেন?

(h) दशरूपकानां नामानि उल्लिख्यन्ताम्।

দশ প্রকার রূপকের নামগুলি লেখো।

(i) बीजस्य संज्ञा लिख्यताम्।

'बीज'-এর সংজ্ঞাটি লেখো।

(j) साहित्यदर्पणः कौटिल्यः ग्रन्थः? अस्य ग्रन्थस्य टीकाद्वयं उल्लिख्यताम्।

সাহিত্যদর্পণঃ কৌটিল্যের গ্রন্থ? এই গ্রন্থের দুটি টীকার নাম লেখো।

(k) दृश्यप्रव्यकाव्यसोः पार्थक्यं किम्?

দৃশ্যকাব্য ও শ্রব্যকাব্যের পার্থক্য কী?

(l) अभिनयः कः? सः कतिविधः? नामानि लिख्यन्ताम्।

অভিনয় কী? সেটি কয় প্রকার? নামগুলি লেখো।

(m) कस्तावत् सूत्रधारः?

সূত্রধার কে?

(n) पताकाप्रकर्योः को भेदः?

পতাকাপ্রকরীর পার্থক্য কী?

(o) पताकास्थानकं किम्?

পতাকাস্থানক কী?

2. अधोलिखितेषु प्रश्नेषु यथेच्छं चतुष्टयस्य उत्तरं प्रदेयम्। प्रश्नद्वयमवश्यम् सुरगिरा समाधेयम्।

5×4=20

निम्नलिखित प्रश्नগুলির মধ্যে যে কোনো চারটির উত্তর দাও। তার মধ্যে দুটি সংস্কৃত ভাষায় লেখো।

(a) सुरगिरा व्याख्यायताम्।

সংস্কৃতে ব্যাখ্যা করো।

भारती संस्कृतप्रायो वाग्व्यापारो नटाश्रयः।

(b) नाटकप्रकरणयोः को भेदः?

নাটক ও প্রকরণের পার্থক্য কী?

(c) का भवति नाटिका? संक्षेपेन आलोच्यताम्।

নাটিকা কী? সংক্ষেপে আলোচনা করো।

(d) नातिदीर्घा टीका रचनीया: —

সংক্ষেপে টীকা লেখো —

आकाशभाषितम्

আকাশভাষিত

(e) व्याख्यायताम् —

ব্যাখ্যা করো —

अवान्तरार्थविच्छेदे बिन्दुरच्छेदकारणम्।

अवांतरार्थविच्छेदे बिन्दुरच्छेदकारणम्।

(f) आलोच्यताम्:

আলোচনা করো :

गोपुच्छग्रसमाग्रन्तु बन्धनं तस्य कीर्तितम्।

গোপুচ্ছগ্রসমাগ্রন্তু বন্ধনং তস্য কীর্তিতম্।

3. निम्नलिखितेषु प्रश्नेषु प्रश्नद्वयस्य उत्तरं प्रदेयम् :

निम्नलिखित प्रश्नগুলির মধ্যে দুটি প্রশ্নের উত্তর দাও :

2+2+6=10

(a) का च प्रस्तावना? कतिविधा च सा? सोदाहरणमालोच्यताम्।
প্রস্তাবনা কাকে বলে? তা কয় প্রকার? উদাহরণসহ লেখো।

2+2+6=10

(b) सन्धिः कः? सः कतिविधः भवति? तेषु प्रथमत्रयम् आलोचनीयम्।
সন্ধি কী? তা কয় প্রকার? সেগুলির মধ্যে প্রথম তিনটি আলোচনা করো।

10

(c) साहित्यदर्पणोद्धृतं नाटकलक्षणम् आलोच्यताम्।
সাহিত্যদর্পণে উল্লিখিত নাটকলক্ষণটি আলোচনা করো।

2+2+6=10

(d) अर्थोपक्षेपकः कः? स च कतिविधः? तेषु प्रथमद्वयं वर्णयताम्।
অর্থোপক্ষেপক কী ও তা কয় প্রকার? সেগুলির মধ্যে প্রথম দুটির বর্ণনা করো।

अथवा,

अथवा,

Group-B

2×10=20

1. अधोलिखितेषु प्रश्नेषु दशप्रश्नानामुत्तरं अवश्यमेव संस्कृतभाषया देवनागर्या च समाधेयम्:
निम्नलिखित प्रश्नগুলির মধ্যে দশটি প্রশ্নের উত্তর সংস্কৃত ভাষায় এবং দেবনাগরী লিপিতে অবশ্যই লিখতে হবে :

(a) 'हितोपदेशः' नाम ग्रन्थस्य रचनाकारः कः? तस्य पृष्ठपोषकः नृपः कः आसीत्?
হিতোপদেশ নামক গ্রন্থের রচনাকার কে? তাঁর পৃষ্ঠপোষক রাজা কে ছিলেন?

(b) 'हितोपदेश' इति ग्रन्थस्य उत्सः कः?
হিতোপদেশের উৎস কী?

(c) हितोपदेशस्य कति विभागाः? तेषां नामानि च उल्लिख्यन्ताम्।
হিতোপদেশের কয়টি বিভাগ? তাদের নামগুলি উল্লেখ করো।

- (d) प्रारम्भिके श्लोके कः देवः ग्रन्थकारेण स्तुतः? तच्चलोकं लिख्यताम्।
प्रारम्भिक श्लोके कौन देवताके ग्रन्थकारेण स्तुतः कृतं? सेइ श्लोकं लेखो।
- (e) हितोपदेशपाठेन किं भवति?
हितोपदेशपाठेन द्वारा की हय?
- (f) सन्धिविच्छिन्नं रूपं लिख्यताम्।
सन्धिविच्छिन्न रूप लेखो।
कदाचिदवसन्नायां रात्रावस्ताचल
कदाचिदवसन्नायां रात्रावस्ताचल।
- (g) 'यस्य नास्त्यन्ध एव सः'— अस्याः उक्तेः तात्पर्यं किम्?
'यस्य नास्त्यन्ध एव सः'— এই উক্তিৰ তাৎপর্য কী?
- (h) 'बृहस्पतिरिवान्नवीत्'— 'बृहस्पतिः' कः? कोऽत्र बृहस्पतिः एव?
'बृहस्पतिरिवान्नवीत्'— बृहस्पति के? के एखाने बृहस्पतितुल्य?
- (i) 'अस्ताचलचूडावलम्बिनि भगवति चन्द्रमसि' व्युत्पत्तिनिर्णयं क्रियताम्— भगवति; चन्द्रमसि।
'अस्ताचलचूडावलम्बिनि भगवति चन्द्रमसि'— व्युत्पत्ति निर्णय करो— भगवति; चन्द्रमसि।
- (j) प्राज्ञेन किं कर्तव्यम्?
प्राज्ञव्यक्तिर की करा उचित?
- (k) सर्वद्रव्येषु किं द्रव्यम् उत्कृष्टतमम्? कस्मात्?
सर्वद्रव्येण मध्ये कौन द्रव्य उत्कृष्टतम? केन?
- (l) अजातमृतमूर्खपुत्रेषु कः केन निमित्तेन प्रषकृष्टतमः?
अजात, मृत ओ मूर्खपुत्रेण मध्ये के कि हेतु अपकृष्टतम?
- (m) प्रतिशब्दाः दीयन्तामः
प्रतिशब्द लेखो -
अतन्द्रितः; आखुः; वैरी; निधिः।
अतन्द्रितः, आखुः, वैरीः, निधिः।
- (n) मूर्खाणां कालः केन प्रकारेण गच्छति?
मूर्खेण मय कौबावे अतिबाहित हय?

- (o) विधात्रा कानि पञ्च-गर्भस्थस्य एव देहिनः सृज्यन्ते?
विधात्रा कानि पाँचटि गर्भस्थ देहीर सृजन करे थाकेन?

5×4=20

2. निम्नलिखितेषु प्रश्नेषु प्रश्नचतुष्टयं समाधेयम्। तेषु प्रश्नद्वयं संस्कृत भाषया लेखितव्यम्:
निम्नलिखित प्रश्नগুলির মধ্যে চারটি প্রশ্নের উত্তর দাও। তার মধ্যে দুটি সংস্কৃত ভাষায় লেখো।

(a) व्याख्यायताम्:

ब्याख्या करो —

यौवनं धनसम्पत्तिः प्रभुत्वमविवेकिता।

एकैकमप्यनर्थाय किमु यत्र चतुष्टयम्॥

যৌবনং ধনসম্পত্তিঃ প্রভুত্বমবিবেকিতা।

একৈকমপ্যনর্থায় কিমু যত্র চতুষ্টয়ম্॥

(b) भावसम्प्रसारणं क्रियताम् —

भावसम्प्रसारण करो —

गृहीत इव केशेषु मृत्युना धर्ममाचरेत्।

गृहीत इव केशेषु मृत्युना धर्ममाचरेत्।

(c) मातृभाषायामनुवाद —

मातृभाषाय अनुवाद करो —

अथ स व्याख्यस्तण्डुलकणान् विकीर्य जालं विस्तीर्य च प्रच्छन्नो भूत्वा स्थितः। अस्मिन्नेव काले चित्रग्रीवनामा कपोतराजः सपरिवारो वियति विसर्पस्तुण्डुलकणानवलोकया मास। ततः कपोतराजस्तण्डुलकणालुब्धान् कपोतान् प्रत्याह।

(d) व्याख्यायताम् —

ब्याख्या करो —

उद्यमेन हि सिद्ध्यन्ति कार्याणि न मनोरथैः।

উদ্যমেন হি সিধ্যন্তি কার্যাণি ন মনোরথৈঃ।

(e) हितोपदेशे उल्लिखितौ विद्याप्रशंसासूचकौ द्वौ श्लोकौ लिख्यताम्।

হিতোপদেশে উল্লিখিত বিদ্যাপ্রশংসাসূচক দুটি শ্লোক লেখো।

(f) अलसजनानामुक्तिः कीदृशी?

अलसजनदेर उक्ति कीरूप हय?

3. अधोलिखितेषु प्रश्नेषु द्वयोः प्रश्नयोः उत्तरं प्रदेयम्:

10×2=20

निम्नलिखित प्रश्नগুলির মধ্যে দুটি প্রশ্নের উত্তর দাও :

(a) हितोपदेशस्य पाठ्यांशे आलोचितान् विद्याप्रशंसासूचकान् श्लोकानाप्रित्य निबन्धमेकं रचयतु।

হিতোপদেশের পাঠ্যাংশে আলোচিত বিদ্যাপ্রশংসা সূচক শ্লোকগুলি আশ্রয় করে একটি নিবন্ধ রচনা করো।

(b) पाठ्यांशस्य विषयमनुसृत्य सदसदत्पुत्रविषये एकः निबन्धः रचनीयः।

সদ ও অসৎ পুত্রবিষয়ে পাঠ্যবিষয়ানুসারে একটি নিবন্ধ রচনা করো।

(c) हितोपदेशस्य पाठ्यविषयं संक्षेपेन आलोच्यताम्।

হিতোপদেশের পাঠ্যবিষয় সংক্ষেপে আলোচনা করো।

(d) संस्कृतकथासाहित्ये हितोपदेशस्य स्थानं आलोचनीयम्।

সংস্কৃত কথাসাহিত্যে হিতোপদেশের স্থান আলোচনা করো।